हिन्दू नव वर्ष (विक्रम संवत 2079) और वित्त वर्ष 2022-23 के शुभ अवसर पर प्रबंध निदेशक केन्द्रीय भण्डार का संदेश

प्रिय साथियों,

हिन्दू नव वर्ष विक्रम संवत 2079 नव रात्रि और गुड़ी पड़वा के अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई।

वर्ष 2021-22 में केन्द्रीय भण्डार ने एक बार फिर बिक्री के दृष्टिकोण से नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बिक्री के शानदार प्रदर्शन के लिए आप सभी को हृदय की असीम गहराई से साधुवाद और हार्दिक बधाई।

वित्त वर्ष 2022-23 के प्रारम्भ की मधुर बेला पर आप सभी का स्वागत, अभिनन्दन और आप सभी को एवं आपके परिवार के सभी सदस्यों को विशेष शुभ कामनायें देते हुए मुझे अपार ख़ुशी हो रही है। मुझे आपकी कार्यकुशलता, कर्तव्य-परायणता, निष्ठा, लगन और सतत प्रयत्नशीलता पर गर्व है।

साथियों, मैथिली शरण गुप्त जी ने कहा था :-

नर हो, न निराश करो मन को
कुछ काम करो, कुछ काम करो

जग में रह कर कुछ नाम करो
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो
कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो, न निराश करो मन को

निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोंत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी, पर मान रहे
कुछ हो, न तज़ो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को

किस गौरव के तुम योग्य नहीं
कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं
जान हो तुम भी जगदीश्वर के
सब है जिसके अपने घर के
फिर दुर्लभ क्या उसके जन को
नर हो, न निराश करो मन को

करके विधि वाद न खेद करो
निज लक्ष्य निरन्तर भेद करो
बनता बस उद्यम ही विधि है
मिलती जिससे सुख की निधि है
समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को

नर हो, न निराश करो मन को
कुछ काम करो, कुछ काम करो

भारत रत्न परम पूजनीय मा. (स्व.) श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने कहा था :-

हार नहीं मानूंगा, रार नई ठानूंगा,
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूं,
गीत नया गाता हूं।

और कर्तव्य-पथ की महिमा बताते हुए उन्होंने, हमें यह भी सन्देश दिया था :-

क्या हार में क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मै।
संधर्ष पथ पर जो मिले, यह भी सही, वह भी सही।

एकता के महत्व को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने निम्नानुसार परिभाषित किया :-

एक बीज, जड़ों, तनों, शाखाओं, पत्तियों, फूलों और फलों के रूप में अभिव्यक्त होता है। इन सभी के अलग -अलग रूप, रंग और गुण होते हैं। फिर भी हम बीज के माध्यम से उनकी एकता के सम्बन्ध को पहचानते हैं।

जीवन में विविधता और बहुलता है लेकिन हमने हमेशा उनके पीछे छिपी एकता को खोजने का प्रयास किया है।

उपरोक्त के आलोक में, मैं आप सभी से यह अनुरोध करता हूँ कि सदैव संगठित रहें। समिति के सभी स्तम्भ, चाहे समिति के सदस्य हो, प्रतिनिधि मंडल हों, निदेशक जन हो, प्रबंधक गण हो, कर्मचारी हो, निर्माता एवं वितरक गण हों सभी का संस्था की प्रगति में विशेष योगदान है। हम सभी को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा सुझाये मार्ग पर “एक लक्ष्य, एक आदर्श, एक मिशन” के साथ संघ भावना के साथ चलते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी एवं माननीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा दिये मंत्र से देश में "सहकार से समृद्धि" के सपने को साकार करने के लिए एक जुट होकर प्रयास करना है।

यहाँ यह कहना भी उचित होगा कि हमेशा कोई भी व्यक्ति दूसरे को वही देता है जो उसके पास है काँटे वाला आपके मार्ग में काँटे, पत्थर वाला आपकी राह में रोड़े और फूल वाला फूल बिछा देता है। किसी बाधा से आप कभी भी विचलित न हो लेकिन ईश्वर ने आपको बहुत भाग्यशाली और सक्षम बनाया है और समाज सेवा का अवसर प्रदान किया है आप अपने आपको साबित करें कि आप अन्य से भिन्न है आप देश और समाज के प्रति समर्पित रहें। आप सच्चे मन, श्रद्धा और लगन से अपना कार्य करें और अपने जीवन-काल

और कार्य काल में ऐसा करें कि आने वाले समय में आपकी मिसाल पेश हो। पुष्प की तरह सभी का सम्मान और स्वागत करें।

माननीय अटल जी का कहना था :

बाधायें आती हैं आये,
घिरे प्रलय की घोर घटायें,
पांवों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं.......
कदम मिलाकर चलना होगा।

इसी भावना के साथ आप सभी को एक बार पुनः शुभकामनायें। ईश्वर संस्था की प्रगति में हम सभी पर आशीर्वाद बनाये रखें और केन्द्रीय भण्डार दिन-दूनी, रात चौगुनी वृद्धि के सोपानों को पार कर प्रति वर्ष कीर्तिमान स्थापित करता रहे, ऐसी प्रार्थना है।

We all are to remember the famous saying of Robert Frost :

> The woods are lovely, dark and deep. But I have promises to keep, and miles to go before I sleep.

Considering our responsibility towards the organization, Society and the nation, we all are to work untiringly and make united efforts to achieve national prosperity through co-operation (Sahkar Se Samridhi).

संस्था की भलाई के मनोरथ में आपके पूर्ण सहयोग और सुन्दर एवं सतत प्रयासों की अपेक्षा के साथ।

आपका शुभाकांक्षी,

01/4/2022

मुकेश कुमार
प्रबंध निदेशक
केन्द्रीय भण्डार